सौम्या को मेयर पद से बर्खास्त करने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि वह गत दस अगस्त की न्यायिक जांच रिपोर्ट के आधार पर सौम्या को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देकर नए सिरे से आदेश जारी करे

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सौम्या गुर्जर को राहत देते हुए राज्य सरकार के गत 27 सितंबर के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को ग्रेटर निगम के मेयर पद से बर्खास्त कर दिया था। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह गत दस अगस्त की न्यायिक जांच रिपोर्ट के आधार पर सौम्या को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देकर नए सिरे से आदेश जारी करे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जब सौम्या को हटाने वाला राज्य सरकार का 27 सितंबर का आदेश ही अब अस्तित्व में नहीं है तो फिर ग्रेटर नगर निगम के मेयर पद के लिए चुनाव करवाए जाने का भी कोई औचित्य नहीं है और ना ही इसके लिए अभी चुनाव हो सकते हैं। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश सौम्या गुर्जर की याचिका को निस्तारित करते हुए दिए।

मामले में बुधवार को बहस अधूरी रहने के कारण अदालत ने मामले की सुनवाई गुरुवार को तय की थी। गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान सुबह करीब 10.40 बजे अदालत ने सौम्या को बिना सुने बर्खास्त करने वाले आदेश पर राज्य के एएजी अनिल मेहता को कहा कि वे सरकार से निर्देश प्राप्त कर बताएं कि वे 27 सितंबर का आदेश वापस ले रहे हैं या अदालत इसे रद्द करे। इसके साथ ही अदालत ने सुनवाई आधे घंटे टाल दी। वहीं बाद में वापस शुरू हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कहा कि वह 10 अगस्त की न्यायिक जांच रिपोर्ट के आधार पर याचिकाकर्ता को नोटिस देकर उसे सुनवाई का मौका देते हुए नए सिरे से आदेश जारी करेंगे। ऐसे में याचिका निस्तारित कर दी जाए। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन न्यायिक जांच रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार की कार्रवाई में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन हुआ है और याचिकाकर्ता को सुने बिना उसे मेयर पद से बर्खास्त किया है, जो गलत है। इसलिए राज्य सरकार के बर्खास्तगी वाले आदेश को रद्द किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सौम्या को बर्खास्त करने वाले आदेश को रद्द कर दिया है। दरअसल सौम्या ने अपनी याचिका में उसे मेयर पद से हटाने और छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य करने के साथ ही वार्ड में उप चुनाव करवाए जाने की कार्रवाई को चुनौती दी थी।

■ **अदालत ने स्पष्ट किया है कि जब सौम्या को हटाने वाला राज्य सरकार का 27 सितंबर का आदेश ही अब अस्तित्व में नहीं है तो फिर ग्रेटर नगर निगम के मेयर पद के लिए चुनाव करवाए जाने का भी कोई औचित्य नहीं है और ना ही इसके लिए अभी चुनाव हो सकते हैं**

उधर हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद सौम्या गुर्जर ने कहा " मुझे न्यायपालिका पर भरोसा था, वह आज भी कायम हैं और आगे भी रहेगा। हमारा संघर्ष जारी रहेगा और जीत सत्य की होगी।"

करोना से टोंक में एक संक्रमित की मौत

राज्य में गुरूवार को 31 नए मरीज मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन गुरूवार को करोना से एक और संक्रमित की मौत हुई है। वहीं इस बीच राज्य में 31 नए मरीज मिले हैं। राहत की बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में रिकवरी अधिक होने से एक्टिव केस घटकर ढाई सौ से कम रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को टोंक में करोना से एक मरीज की मौत हुई है। इससे पहले बुधवार को बीकानेर में भी एक संक्रमित ने दम तोड़ा था। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9648 लोगों की जान जा चुकी है। इधर पिछले चौबीस घंटों में राज्य के 9 जिलों में 31 नए संक्रमित मिले हैं। आज भी सबसे ज्यादा 16 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर, चित्तौड़गढ़ व कोटा में 3-3, सीकर में 2 तथा डूंगरपुर, जोधपुर, प्रतापगढ़ और टोंक में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 5934 जांचे की गई है।

■ **पिछले चौबीस घंटों में सर्वाधिक 16 नए संक्रमित जयपुर में सामने आए हैं**

प्रदेश में गुरूवार को भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 78 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 247 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 36 संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 57 रह गए हैं।

राजधानी जयपुर में गुरूवार को 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें चाकसूं में तथा सिविल लाइंस, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, जमवारामगढ़, झोटवाड़ा, कोटपूतली, फागी, सोड़ाला और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

नेताओं की घेराबंदी के बीच वोट डालने नगर निगम पहुंचे पार्षद

जयपुर ग्रेटर नगर निगम के महापौर उपचुनाव में गुरूवार को भाजपा-कांग्रेस पार्षदों ने कतार लगाकर अपना मतदान किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम के महापौर उपचुनाव में भाजपा की प्रत्याशी रश्मि सैनी और कांग्रेस की हेमा सिंघानियां में से मेयर चुनने के लिए भाजपा-कांग्रेस के पार्षद नेताओं की घेराबंदी के बीच नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। सुबह 10 बजे वोटिंग शुरू हुई थी, कई भाजपा पार्षद माथे पर राधे लिखकर वोट देने पहुंचे। पार्टी की मेयर प्रत्याशी रश्मि सैनी भी कुछ इसी अंदाज में मतदान करने पहुंची। सबसे पहले कांग्रेसी पार्षद वोट करने पहुंचे थे। इसके बाद भाजपा पार्षदों को पार्टी के बड़े नेता बाड़ेबंदी से निकालकर लाए। कांग्रेस के पार्षदों को चार-चार के बैच में वोटिंग करने भेजा गया। जबकि भाजपा के पार्षदों को दो-दो की संख्या में मतदान करने के लिए अंदर भेजा। इससे पहले सुबह बाड़ेबंदी से कांग्रेस पार्षदों को एक बस में नगर निगम लाया गया। वहीं, करीब 11 बजे भाजपा पार्षदों की बस भी मतदान स्थल पहुंची।

■ **नेताओं की घेराबंदी के बीच वोट डालने नगर निगम पहुंचे पार्षद**

■ **सबसे पहले कांग्रेसी पार्षद चार-चार के ग्रुप में वोट डालने पहुंचे, फिर भाजपा पार्षद दो-दो के गुट में आए**

कांग्रेस ने मेयर पद के लिए हेमा सिघानिया को जबकि भाजपा ने रश्मि सैनी को प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले बुधवार देर रात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया होटल में पार्षदों से मिलने पहुंचे थे। मतदान कर बाहर निकलीं महिला पार्षदों ने विक्ट्री साइन बनाया। ग्रेटर नगर निगम में चुनाव के लिए दोनों पार्टी के बड़े नेता लगातार सक्रिय रहे।

विधायक अशोक लाहोटी, कालीचरण सराफ, नरपत सिह राजवी, रामलाल शर्मा, पूर्व मंत्री और विधायक रहे राजपाल सिंह शेखावत, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा अपने-अपने क्षेत्र के पार्षदों को एकजुट करने में लगे। सभी ने पार्षदों से साफ कह दिया था कि यह हमारी इज्जत और प्रतिष्ठा का सवाल है। वहीं, कांग्रेस ने भी अपने पार्षदों की बाड़ेबंदी भी की थी। हालांकि, उनकी बाड़ेबंदी में अधिक सख्ती दिखाई नहीं दी थी।

ज्ञात रहे कि आज से ठीक 2 साल पहले यानी 10 नवंबर 2020 को ही जयपुर नगर निगम ग्रेटर के मेयर के चुनाव हुए थे। तब भाजपा से सौम्या गुर्जर उम्मीदवार थी, जबकि कांग्रेस से दिव्या सिंह। इन चुनावों में सौम्या गुर्जर को 150 में से 97 वोट मिले थे, जबकि दिव्या सिंह को 53 वोट। इस तरह सौम्या 44 वोटों के अंतर से जीत दर्ज करते हुए नगर निगम ग्रेटर की पहली मेयर बनी थी।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की कार्यवाहक महापौर शील धाभाई ने अपने दफ्तर में पहुंचकर उपचुनाव की गतिविधियों पर नजर बनाये रखी।

अदालती फैसला कांग्रेस सरकार के मुंह पर तमाचा : सतीश पूनियां

जयपुर (कासं)। जयपुर ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर की बर्खास्तगी रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत सरकार को जमकर घेरा है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश से राजस्थान की कांग्रेस सरकार के चेहरे पर तमाचा पड़ा है। सरकार ने जयपुर ग्रेटर नगर निगम की चुनी हुई मेयर को हटाने की साजिश की। पूनिया ने कहा किसी भी हालत में जयपुर ग्रेटर मेयर तो बीजेपी का ही रहेगा, क्योंकि हमारे पास बहुमत है, मेजोरिटी को किसी भी सूरत में कांग्रेस नकार नहीं सकती है।

■ **उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि ''न्यायालय के घर देर हो सकती है, लेकिन अंधेर कभी नहीं!'' गहलोत सरकार की खोटी नीति और नीयत का पर्दाफाश हुआ है।**

बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से रूबरू होकर पूनिया ने कहा कि सरकार तो बदले और बदनीयती की राजनीति शुरू से कर रही थी। पिछले 2 वर्षों से जयपुर के साथ अन्याय किया। जयपुर समेत बीजेपी के जितने निकाय थे, उनको बिना वजह डिस्टर्ब करने का काम किया। विकास में बाधा बनी। वहां पर राजनीतिक षडयंत्र रचे। जब चारों तरफ से रास्ते बंद हुए और उन्हें सफलता नहीं मिली तो पीछे से दरवाजे से अपने लोगों को काबिज करने की कोशिश की। अब कोर्ट ने एक तरीके का फैसला लिया है, इसका रिजल्ट किस रूप में आता है यह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। पार्टी का पूरा पार्षद दल एकजुट था। सबने मतदान किया। काउंटिंग बाकी थी। अब कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने उसे रोका है। आगे का प्रोसेस क्या रहेगा, वो तो कोर्ट और चुनाव आयोग तय करेंगे। लेकिन जैसी भी परिस्थिति रहेगी पार्टी उसका आंकलन करके आगे बढ़ेगी।

सौम्या गुर्जर को सुनवाई का पूरा मौका देने के कोर्ट के आदेश पर पूनिया ने कहा अगर सरकार की नीयत साफ होती तो इस तरह के एपिसोड नहीं होते। कोर्ट क्या करता है, आगे वह क्या कार्रवाई करेगा, ये तो भविष्य के गर्भ में है। इसलिए इस पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा। कुल मिलाकर इससे सरकार पूरी तरह एक्सपोज हुई है। पूनिया ने कहा किसी भी हालत में मेयर तो बीजेपी का ही रहेगा, क्योंकि हमारी मेजोरिटी है। हमारा बहुमत है, जिसे चाह कर भी वो किसी भी तरह से नकार है। सकते है।

वहीं दूसरी ओर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कोर्ट के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के घर देर हो सकती है, लेकिन अंधेर कभी नहीं! गहलोत सरकार की खोटी नीति और नीयत का पर्दाफाश हुआ है। राज्य सरकार ने नौकरशाही का बेवजह इस्तेमाल करते हुए चुने हुए जनप्रतिनिधि तत्कालीन मेयर सौम्या गुर्जर को अपदस्थ करने के साथ ही 6 साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की साजिश रची थी। न्यायालय के निर्णय ने यह साबित कर दिया कि सरकार ने विपक्षी पार्टी भाजपा के लोकतांत्रिक पद्धति से चुने हुए मेयर, जिला प्रमुख, सभापति व प्रधानों को किस तरह से अपदस्थ करने की साजिश नौकरशाही के दम पर रची जा रही है।

सरकार ने विद्युत उपभोक्ताओं की कमर तोड़ी : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि अपने नीतिगत दस्तावेज जनघोषणा पत्र में बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं करने का दावा कर सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने पिछले दरवाजे से एक बार फिर महंगी दरों पर कोयला खरीदने के नाम पर प्रदेश के 1 करोड़ 42 लाख विद्युत उपभोक्ताओं को 21 पैसे अतिरिक्त प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज के हिसाब से 375 करोड़ रुपये का जोरदार झटका देने का निर्णय किया है जिसकी वसूली आगामी नवंबर और दिसंबर 2022 के बिलों में की जायेगी। सरकार ने दीपावली के त्यौहार व शादी के अवसर पर फ्यूल सरचार्ज वसूलने का आदेश निकालकर विद्युत उपभोक्ताओं की कमर तोड़ने और महंगाई का चाबुक चलाने का काम किया है।

■ **'सोलर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की बजाय राज्य सरकार महंगा कोयला खरीदने पर विशेष जोर दे रही है'**

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के 4 वर्षीय कार्यकाल में अब तक फ्यूल सरचार्ज के रूप में औसतन 69 पैसे प्रति यूनिट का अतिरिक्त भार प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं पर लादा जा चुका है जबकि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज मात्र 18 पैसे प्रति यूनिट था। राज्य सरकार बिजली कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार कर महंगी दरों पर बिजली व कोयला खरीद, कृषि कनेक्शन देने के टर्नकी प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार और चहेती निजी विद्युत उत्पादन कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए निरंतर उपभोक्ताओं की जेब काट रही है वहीं दूसरी ओर संस्थागत भ्रष्टाचार का तांडव मचाकर जमकर चांदी कूट रही है।

राठौड़ ने कहा कि कोयले के अतिरिक्त ब्रिज लिंकेज के माध्यम से विभिन्न निजी कोयला उत्पादन कंपनियों को विद्युत उत्पादन निगम पूर्व में आवंटित कोल ब्लॉकों से 40 फीसदी अधिक महंगी दर पर खरीदकर उसकी धुलाई के नाम पर वाशरी ऑपरेटरों के साथ मिलीभगत कर भ्रष्टाचार का ताना-बाना बुनने का काम कर रहा है। कोयले की धुलाई के कारण बिजली उत्पादन भी 40 पैसे प्रति यूनिट मंहगा पड़ रहा है और घरेलू कोयले के साथ विदेशी कोयले के 10 फीसदी सम्मिश्रण से 50 पैसे प्रति यूनिट अतिरिक्त लागत का भार भी अंतोगत्वा उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि सोलर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की बजाय राज्य सरकार महंगा कोयला खरीदने पर विशेष जोर दे रही है। जबकि राजस्थान के क्षेत्रफलानुसार सौर ऊर्जा की क्षमता 142 गीगावाट यानी 1 लाख 42 हजार मेगावाट की है। सरकार निजी ऊर्जा विद्युत उत्पादन कंपनियों के साथ लाखों-करोड़ों रुपये के एमओयू करके हमारी बेशकीमती भूमि को रियायती दरों पर दे रही है।

हाउसिंग बोर्ड में होगी 311 कार्मिकों की भर्ती : अरोड़ा

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मण्डल में जल्द ही रिक्त पदों पर भर्ती होगी। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने मण्डल में 311 कार्मिकों की भर्ती प्रकिया को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एलओआई जारी करने तथा भर्ती एजेंसी का चयन करने की प्रक्रिया को दो सप्ताह के भीतर पूरा कर मंडल में कार्मिकों की कमी को शीघ्र दूर किया जाएगा।

आवासन आयुक्त ने गुरूवार को बोर्ड रूम में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यूनियन के पदाधिकारियों के साथ मंडल प्रशासन की 17 सूत्री मांगपत्र पर करीब डेढ़ घंटे तक वार्ता हुई, जिसमें लगभग सभी मांगों पर मंडल प्रशासन एवं संघ के बीच सहमति बनी।

यूनियन के पदाधिकारियों ने मंडल में लैंड बैंक की स्थापना करने, भूमि अवाप्ति प्रकरणों का शीघ्र निष्पादन किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आवासन आयुक्त ने बताया कि जयपुर, उदयपुर, निवाई, पाली आदि स्थानों पर जमीनों के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जिन पर हाल ही में प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास की अध्यक्षता में हुई बैठक में सहमति दी जा चुकी है। बैठक में यूनियन पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के पेंशन फंड एवं लीव सैलरी फंड में मंडल द्वारा 13 करोड़ रूपए एकमुश्त जमा कराने पर मंडल प्रशासन का आभार जताया। इस अवसर पर मंडल की सचिव संचिता विश्नोई, मुख्य अभियंता केसी मीणा, यूनियन के अध्यक्ष दशरथ कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद, महामंत्री प्रदीप शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरसी बुढानिया, संयुक्त मंत्री गोविन्द नाटाणी, रमेश शर्मा मौजूद थे।

पुणे में प्रदर्शनी के जरिये मतदाता जागरूकता बढ़ाने की कवायद

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पाण्डेय द्वारा आज महाराष्ट्र के सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में ''मतदाता पंजीकरण-लोकतंत्र की दिशा में पहला कदम'' विषय पर एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया जो एक मतदाता के रूप में चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के महत्व को रेखांकित करती है और भारतीय चुनावों की भव्यता को प्रदर्शित करती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) द्वारा जिला चुनाव अधिकारी, पुणे के सहयोग से आयोजित ये तीन दिवसीय प्रदर्शनी, मतदाता जागरूकता को बढ़ाने की एक कवायद है जो आज मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण 2023 के राष्ट्रव्यापी लॉन्च के अवसर पर की जा रही है।

■ **ब्यूरो की आउटरीच गतिविधियां और लोक-संगीत के कार्यक्रम, संचार के अत्यंत शक्तिशाली माध्यम हैं : राजीव कुमार**

■ **ज्यादा संख्या में युवा पात्र मतदाताओं के पंजीकरण से ही इस लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है : अनूप चंद्र पाण्डेय**

डीईओ पुणे ने प्रदर्शनी स्थल पर युवा मतदाताओं को नामांकित करने के लिए विशेष पंजीकरण शिविर भी लगाए

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पाण्डेय ने गुरूवार को महाराष्ट्र के सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में ''मतदाता पंजीकरण-लोकतंत्र की दिशा में पहला कदम'' विषय पर एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

हैं। भारतीय चुनाव और मतदाता पंजीकरण के विषय को कई तरह से उभारा जा रहा है, जैसे- सीबीसी के वर्चुअल रियलिटी कियोस्क के माध्यम से जो मतदान केंद्रों को प्रदर्शित करते हैं,भारतीय चुनाव पर फ्लिप बुक,एक ऑगमेंटेड रियलिटी टच वॉल,एसएसआर2023फॉर्मों के डिजिटल प्रदर्शन और चुनावी कहानियों पर एक साउंड शो के माध्यम से। इनके अलावा चुनाव आयोग की नई पहलों पर एक अलग खंड भी है, स्वीप के दायरे का प्रदर्शन और भारतीय लोकतंत्र पर एक वॉल भी है। साथ ही, सीबीसी के गीत और नाट्यय कलाकारों ने ''कोई मतदाता पीछे न छूटे'' की ईसीआई वाली थीम पर रंगारंग प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर बोलते हुए सीईसी राजीव कुमार ने सीबीसी द्वारा लगाई गई रंगारंग प्रदर्शनी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के इस युग में भी सीबीसी आउटरीच गतिविधियां संचार का एक अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि देश का लोक संगीत यानी लोक गायन और लोक कथा की सांस्कृतिक विरासत इतनी समृद्ध,इतनी विविध और विस्तृत है कि इन्हें जानने-समझने में ही वर्षों लग जाएंगे। सीबीसी की अतिरिक्त महानिदेशक रंजना देव शर्मा ने कहा कि सीबीसी व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी कार्यक्रमों के तहत अपनी क्षेत्रीय और जमीनी गतिविधियों के माध्यम से भारत के चुनाव आयोग के संचार और आउटरीच अभियानों का एक अभिन्न अंग रहा है। देश भर में लगभग 150 स्थानों पर अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ, सीबीसी ने देश में विभिन्न संचार अभियानों के लिए भारत निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि इस संदेश को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए सीबीसी ने अपनी सभी संसाधनों का उपयोग किया है जिसमें देश के नागरिकों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने के लिए दूरदराज के गांवों में लोक कलाकार मंडलियों और फील्ड अधिकारियों द्वारा डेरा जमाना,युवाओं तक पहुंचने के लिए उन्नत तकनीकी घटकों का उपयोग करके अभियान चलाना आदि शामिल है।

जामडोली के फार्म हाउस में घुसा बघेरा

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में वन्यजीवों का शहरी क्षेत्र में आने का सिलसिला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। गुरुवार को आगरा रोड स्थित जामडोली में एक बघेरा अपनी सरहद पार करते हुए फार्म हाउस में जा छिपा। जयसिंह पुरा खोर स्थित एक फार्म हाउस में बघेरे के घुसने की सूचना से हडक़म्प मच गया। सूचना मिलने पर जयपुर जू के पशु चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बघेरे को ट्रंकुलाइज किया।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को जयसिंह पुरा खोर में जैन दादाबाड़ी केशव विद्यापीठ में एक तक्षिशला फॉर्म हाउस में एक फार्म हाउस में नर बघेरा घुस गया। बघेरा फार्म हाउस के टॉयलेट में जा घुसा, जिसे देखकर मौके पर कार्यरत कार्मिक घबरा गए और उन्हें उसे टॉयलेट में ही बंद कर दिया। इसके बाद फार्म मालिक राहुल जैन ने इसकी सूचना वन विभाग और टीम रक्षा को दी। सूचना मिलने पर जयपुर जू के पशु चिकित्सक डॉ. अशोक तंवर और राजेंद्र सिंह की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद उसे ट्रैंकुलाइज किया।

बदमाशों की मारपीट से घायल प्रोपर्टी कारोबारी ने दम तोड़ा

बैनाड़ रोड पर श्याम नगर में बुधवार शाम आधा दर्जन बदमाशों ने लाठी-डंडों और सरियों से की थी मारपीट

जयपुर (कासं)। करधी क्षेत्र में बैनाड़ रोड पर बुधवार शाम को बदमाशों की मारपीट से घायल हुए प्रोपर्टी कारोबारी विजेन्द्र सिंह ने गुरूवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसकी मौत के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। इनमें एक युवक आरोपी शिवराज सिंह की मौसी का लड़का है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा और गुलाबबाड़ी में अंतिम संस्कार कराया। हमलवार बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस ने 22 टीमें बनाई हैं, जो कि जयपुर समेत कई जिलों में दबिश दे रहीं है।

ज्ञात रहे कि बुधवार शाम को प्रोपर्टी कारोबारी विजेंद्र सिंह गुलाब पर तीन कारों में आए बदमाशों ने हमला किया था। बदमाशों ने लाठी-डंडों से विजेन्द्र को इतना मारा कि वह अधमरा हो गया था। बदमाश जाते हुए फायरिंग भी करके गए थे।

यह वारदात सीसीटीवी में भी रिकॉर्ड हो गई थी। घटना बुधवार शाम की बैनाड मोड के श्याम नगर की है। बुरी तरह से घायल कारोबारी को मरुधरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

■ **पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है, इनमें एक युवक आरोपी शिवराज सिंह की मौसी का लड़का है।**

■ **पुलिस की 22 टीमें आरोपियों की तलाश में जयपुर समेत कई जिलों में भेजी**

पुलिस के मुताबिक शाम करीब 5 बजे करधनी निवासी विजेंद्र सिंह (40) अपनी स्कॉर्पियो कार से घर लौट रहे थे। तभी अचानक एक बोलेरो कैंपर व एक अन्य कार उनकी गाड़ी के सामने आकर रुकी।

विजेंद्र ने जैसे ही गाड़ी पीछे की तरफ ली, हथियारबंद बदमाशों ने गाड़ी को टक्कर मारते हुए एक मकान की सीढ़ियों पर चढ़ा दी। उसके बाद कांच तोड़कर विजेंद्र पर हमला कर दिया। हमले के बाद विजेंद्र सिंह को स्थानीय लोग मरुधरा अस्पताल लेकर पहुंचे थे। घटना की जानकारी मिलने पर एसीपी करधनी प्रमोद स्वामी भी मौके पर पहुंचे थे, उन्होंने विजेंद्र से मुलाकात कर जानकारी ली थी। एसीपी प्रमोद स्वामी के अनुसार, विजेंद्र पर नागौर के परबतसर निवासी जितेन्द्र सिंह, झोटवाड़ा निवासी सागर सिंह, भगवान सिंह ततारपुर और अजय सिंगोद सहित आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने हमला किया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए करधनी व झोटवाड़ा थाने की स्पेशल टीमें दबिश दे रही हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि दीपावली से पहले दादी के फाटक के पास स्थित एक होटल में किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था। इसका बदला लेने के लिए बुधवार को हमला किया गया।